पाठ योजना – 3

शिक्षक आकलन योजना

विषय – गणित | कक्षा – 2 | टर्म – I

पाठ/अवधारणा/थीम/घटक – आकृति एवं स्थान की समझ पाठ–4, 5 | दिनांक ..... से ..... तक

समूह 1 के बच्चों के रोल नम्बर :–	**समूह 2 के बच्चों के रोल नम्बर :–**

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण अधिगम उद्देश्य :–
1. वस्तुओं के आकार, आकृति तथा रंगो गुणधर्मों के आधार पर वर्गीकरण कर सकेगें।
2. स्थानीय सम्बन्धो से जुड़ी शब्दावली के विकास हेतु अन्तर कर सकें। जैसे – चित्र में कौन कहाँ है?

सम्पूर्ण कक्षा के लिए प्रस्तावित गतिविधियां (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत)	**सतत आकलन योजना**	**समीक्षा एवं अनुभव** (बच्चों की सहभागिता/कठिनाई एवं योजना में बदलाव के बारे में)
समूहिक कार्य :– 1. बालकों से पांच–पांच वस्तुंए मंगवाना व उनके नाम श्यामपट्ट पर लिखकर उनकी आकृति पर चर्चा करना। 2. बालकों से अपने घर पर या कहीं देखी हुई उन वस्तुओं के नाम बुलवाना व श्यामपट्ट पर लिखना। 3. पुस्तक के पृष्ठ संख्या 22 की कविता का वाचन करते हुए चित्र पर चर्चा करना व कक्षा में कौन किसके पास किसके आगे व पीछे बैठा है, पर चर्चा करना।	बालकों की रूचि, लगन एवं सहभागिता के आधार पर आकलन।	**साप्ताहिक** **..... से ..... तक** बालकों ने आकृतियों के नाम समझने में सहभागिता निभाई व चौकोर, तिकोना, वृत जैसी वस्तुओं के नाम बताए।
उपसमूह कार्य :– 1. बालकों को समूह में बाँटकर श्यामपट्ट पर लिखी वस्तुओं के नामों को आकार के अनुसार अलग–अलग बँटवाना। जैसे – चौकोर, गोल, वृत (गोल घेरा) तिकोना आदि। **2.** बालकों से समूह में पृष्ठ संख्या 23 के प्रश्न पर चर्चा करते हुए हल करवाना।	बालकों की समूह में सहभागिता व कार्य क्षमता के आधार पर आकलन।	संदूक व ड्रम जैसी आकृतियों को समझने में कठिनाई महसूस की।
व्यक्तिगत कार्य :– प्रत्येक बालक से चौकोर, गोल, वृत (गोल घेरा), तिकोना आदि वस्तुओं के नाम लिखवाना व अपने मकान के आगे क्या–क्या है? व पीछे क्या–क्या है? की जानकारी कॉपी में लिखकर लाने के लिए कहा जाना।	बालक के व्यक्तिगत कार्य के आधार पर आकलन।	

http://rajteachers.com/cce.php

समूह 1 के लिए क्षमता संवर्धन योजना :–

1. बालकों से चौकोर, गोल, वृत (गोल घेरा), तिकोना आदि वस्तुओं के नाम लिखवाना।
2. बालकों से पाठ्यपुस्तक के पृष्ठ संख्या 21 पर दी गई सारणी व पृष्ठ संख्या 23 पर दिए सवाल पाठ्यपुस्तक पर हल करवाना व नोट बुक (कॉपी) में उतरवाना।
3. बालक से विद्यालय के अन्दर व बाहर नजर आने वाली वस्तुओं के नाम लिखवाना।

समूह 2 के लिए शिक्षण उद्देश्य :–

1. बालक लम्बे–छोटे, पास–दूर, हल्की व भारी वस्तुओं के बारे में जान सकेगें।
2. बालक 21 से 50 तक की संख्यांए बोल व लिख सकेगें।

समूह 2 के लिए आवश्यकतानुसार शिक्षण योजना (सामूहिक,उपसमूह,व्यक्तिगत) :–

सामूहिक कार्य :– 1. बालकों से विद्यालय के आस–पास नजर आने वाली वस्तुओं के नाम पूछकर श्यामपट्ट पर लिखना व पास–दूर, लम्बा–छोटा पर चर्चा करना।
2. बालकों से विद्यालय परिवेश से वस्तुएं मंगवाकर हल्की व भारी वस्तुओं की जानकारी कराना।
3. बालकों से 21 से 50 तक की गिनती को बुलवाते हुए लिखवाना।

व्यक्तिगत कार्य :– 1. बालकों से अपने घर या आस–पास की लम्बी व छोटी वस्तुओं के नाम पूछना।
2. दो वस्तुएं दिखा कर हल्की व भारी वस्तु पर चर्चा करना।
3. 21 से 50 तक की संख्याएं लिखवाना।

पाक्षिक योजना में अधिगम उपलब्धि :–

बालक वस्तुओं को देखकर आकार व आकृति के आधार पर वर्गीकरण कर सकेगा व चित्र देखकर कौन कहां है? के बारे में बता सकेगा।

बालक द्वारा किये गये कार्य के आधार पर आकलन।

पाक्षिक
..... से ..... तक

बालकों ने चौकोर वृत, तिकोना जैसी वस्तुओं के बारे में जानकारी प्राप्त की।

संस्था प्रधान का अभिमत :–

हस्ताक्षर शिक्षक

हस्ताक्षर संस्था प्रधान

http://rajteachers.com/cce.php